Baba’s Praise

24/8/2015

- यहाँ इस ख्याल में बिठाया जाता है - मैं आत्मा हूँ। यह मेरा शरीर है। मैं आत्मा परमपिता परमात्मा की सन्तान हूँ।
- ज्ञान सागर एक बाप है। ज्ञान सागर तो एक ही बाप को कहा जाता है। वह है-स्प्रीचुअल नॉलेजफुल फादर।
- बेहद का बाप है ना। हद के बाप से सब हद का मिलता है। बेहद के बाप से बेहद का सुख मिलता है।
- पावन बनने का रास्ता मनुष्य कोई बता न सकें। पतित-पावन एक ही बाप है।
- ईश्वर तुम्हारा बाप कहते हैं मीठे बच्चे विकार में नहीं जाओ।
- कहते भी हैं ब्रह्मा द्वारा स्थापना, शंकर द्वारा विनाश..... परन्तु समझते कुछ नहीं। मुख्य चित्र है त्रिमूर्ति का। ऊंच ते ऊंच है शिवबाबा।